an>

Title: Need to provide funds for revival of Instrumentation Limited, Kota, Rajasthan.

श्री ओम बिरला (कोटा) ः मेरे संसदीय क्षेत्र कोटा राजस्थान में स्थित इन्स्ट्रूमेन्टेशन लिमिटेड (आईएल) भारत सरकार के महत्वपूर्ण राजकीय उपक्रमों में से एक है। यह उपक्रम वर्ष 1991-92 से लाभ में नहीं चल रहा है। वर्ष 1994 में कम्पनी को रूग्ण इकाई घोषित कर दिया गया था। तदोपरांत वर्ष 2009 में स्वीकृत पुर्नरूत्थान योजना के अंतर्गत कंपनी संचालन के लिए मिलने वाली कार्यशील पूंजी उपलब्ध नहीं कराई गई।

वर्तमान में कम्पनी पर कर्मचारियों के संवैधानिक दायित्वों व बकाया देनदारियां निरंतर बढ़ती जा रही हैं और जुलाई 2015 तक भविष्य निधि, ग्रेच्युटी पर देय प्रीमियम, बकाया वेतन, अर्जित अवकाश पर देय प्रीमियम राशि की गणना की जाए तो लगभग 310 करोड़ रूपए की देनदारियां बकाया है। कर्मचारियों को वेतन के स्थान पर मात्र 10 से 15 हज़ार रूपए प्रतिमाह की राशि का भुगतान किया जा रहा है। साथ ही भविष्य निधि की काटी गई राशि दिसंबर 2010 से कर्मचारियों के खाते में जमा नहीं कराई गई है।

उल्लेखनीय है कि तकनीकी रूप से अत्यंत सक्षम व उन्नत यह इकाई केवल बकाया देनदारियों के चलते बंद होने की कगार पर आ गई है, जिससे शहर के हज़ारों परिवारों के समक्ष जीवन-यापन का संकट उपस्थित हो रहा है। पूरा कोटा शहर आई एल संस्थान को संचालित करने के लिए एकजुट होकर आंदोलनरत है। आई एल को एक आर्थिक पैकेज देकर पुनः संचालित किया जा सकता है। इस निमित्त मेरी मांग है कि उक्त इकाई को संचालित करने के लिए आवश्यक रिवाईवल पैकेज प्रदान कर पुनर्जीवित किया जाए।